सेअरूल आकुल नामी पुस्तक की वास्तविकता

रिसर्च एवं प्रस्तुति : अब्दुल अज़ीम

दिनांक - १८/ ०२/ २०२४

सेअरूल आकुल पुस्तक की वास्तविकता

बहुत से सनातन धर्मी अज्ञानता वश अपना संबंध काबा से जोड़ने का प्रयास करते हैं और इस संदर्भ में साक्ष्य के रूप में **“सेअरूल आकुल”** नामी पुस्तक का एक प्रमाण प्रस्तुत करते हैं जिसमें वर्णित है :

मक्का में पहले विशाल मक्केश्वर महादेव मंदिर था, जिसमें एक विराट शिवलिंग था जो आज भी मक्का के काबा में है, शिवरात्रि के दिन मक्केश्वर महादेव मंदिर में कवितायें पढ़ी जाती थी तथा अच्छी कविताओं को सोने की प्लेट पर लिखकर मंदिर में टांग दिया जाता था, उन्ही प्लेटो को संग्रहालय में जमा किया गया जिसमे एक कविता मोहम्मद के चाचा की भी है जो उन्होंने गाया है : ऐ अल्लाह के भी अल्लाह (देवो के भी देव) महादेव मैं आपकी शरण में आया हूं, मेरी जिंदगी की एक ही तम्मना है कि मैं एक बार भारत की भूमि देखूँ , राम कृष्ण की भूमि देखूँ, गंगा यमुना के दर्शन करके उसकी मिटटी माथे से लगाऊं…..

परंतु जब उनसे पुस्तक मांगी जाती है तो वह दिखा नहीं पाते और उसके बदले में निम्न में प्रस्तुत दैनिक भारत नामी पत्रिका का एक फर्जी न्यूज़ फोटो दिखाते हैं :

अल्लाहों के अल्लाह : महादेव

Dainik Bharat 24 June 2015,New Delhi

दैनिक भारत,दिल्ली: इराक में एक पुष्तक लिखी गयी थी जिसे इराकी सरकार ने छपवाया था किताब का नाम था 'सेअरून्ल आकुल',इस किताब में इस्लाम से पहले अरब जगत के बारे में लिखा गया था।

किताब में लिखा है की मक्का में पहले विशाल मक्केश्वर महादेव मंदिर था,जिसमे एक विराट शिवलिंग था जो आज भी मक्का के काबा में है। शिवरात्रि के दिन मक्केश्वर महादेव मंदिर में कवितायें पढ़ी जाती थी तथा अच्छी कविताओं को सोने के प्लेट पर लिखकर मंदिर में टांग दिया जाता था,उन्ही प्लेटो को संग्रहालय में जमा किया गया जिसमे एक कविता मोहम्मद के चाचा की भी है जो उन्होंने गाया था।

मोहम्मद के चाचा ने गाया है ऐ अल्लाह के भी अल्लाह(देवो के देव) महादेव मैं आपकी शरण में आया हु,मेरी जिंदगी की एक ही तम्मना है की मैं एक बार भारत की भूमि देखु,राम कृष्ण की भूमि देखु ,गंगा यमुना के दर्शन करके उसकी मिट्टी माथे से लगाऊ...

दिल्ली के बिड़ला मंदिर में इराक से लायी गयी ये किताब आज भी है जिसका हिंदी अनुवाद भी लिखा हुआ है।

उपरोक्त न्यूज़ कटिंग को हमने तीन चरणों में ढूंढ़ा।

पहला चरण

जब हमने गूगल पर रिवर्स इमेज के जरिये ढूंढ़ा तो हमें सोशल मीडिया पर इस कटिंग से जुड़ी पोस्टों का ढेर मिला, जिसका स्क्रीन शॉर्ट निम्न में देखा जा सकता है :

हालांकि दैनिक भारत के अतिरिक्त भारत के किसी भी मुख्य धारा के प्रिंट मीडिया से जुड़ा हुआ अखबार या पत्रिका नहीं मिला जिसे विश्वसनीय या प्रामणिक स्त्रोत समझा जाए।

दूसरा चरण

इसके बाद पुनः न्यूज़ कटिंग में दिए गए दैनिक भारत की वेबसाईट पर सर्च किया तो वहां पर भी कुछ नहीं मिला, निम्न में उसका स्क्रीन शॉर्ट भी प्रस्तुत है ;
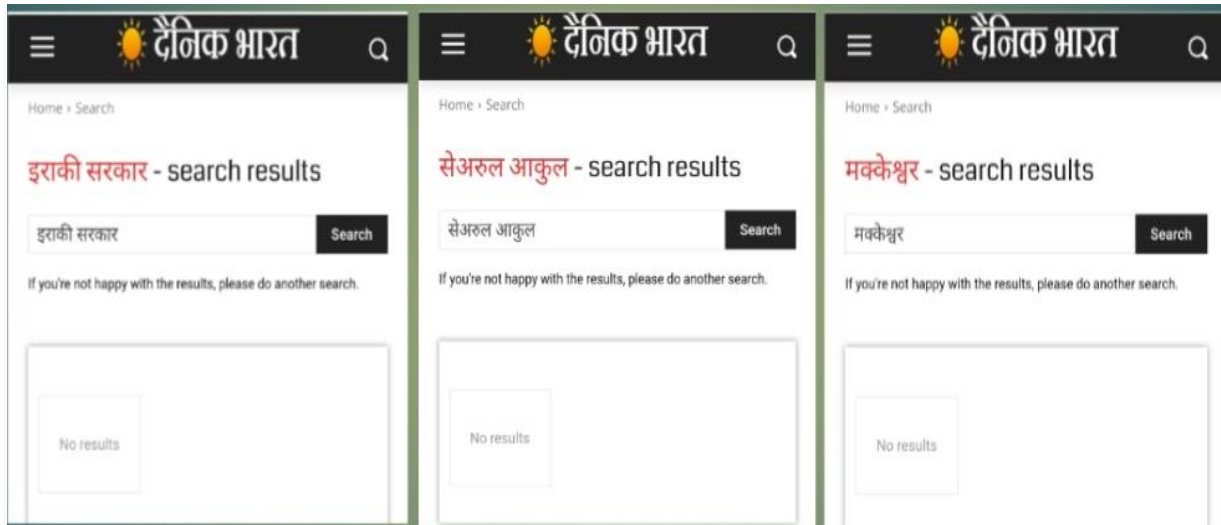
तीसरा चरण

जब हमने न्यूज़ कटिंग में दिए गए "मक्का के काबा में विशाल मक्केश्वर महादेव मंदिर था जिसमें एक विराट शिवलिंग था जो आज भी मक्का के काबा में है।" से जुड़े दावे के सच को जानने का प्रयास किया तो पाया कि इस तरह की और भी तथाकथित पोस्ट की गई है, जिसमें काबा स्थित **रुक्न-ए-यमानी** को शिवलिंग बताकर प्रचार किया जा रहा है। हालाँकि वास्तविकता यह है कि ये शिवलिंग नहीं है बल्कि मक्का में स्थित काबे का एक कोना है, जिसे **रुक्न-ए-यमानी** कहा जाता है।
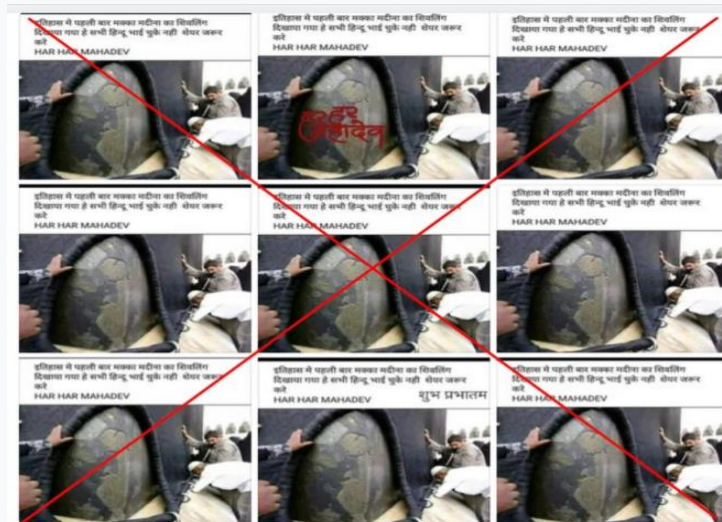
(वायरल फेस बुक पोस्ट में रुकन ए यमनी)

उल्लेखनीय है कि मक्का स्थित काबा के ४ कोने हैं।

१ हज्र - ए - अस्वद।

२ रूक्न - ए - सामी।

३ रूक्न - ए - इराकी।

४ रुक्न - ए - यमानी।

मजमउल फतावा इब्ने तेमीया, भाग,९ पृष्ठ १५५)

यमन की तरफ मुख होने के कारण इसे ‘रुक्न - ए - यमानी’ कहा गया है और ये काबा के दक्षिण-पश्चिम कोने पर स्थित है।

अतःनिष्कर्ष यह निकला कि कथित न्यूज़ कटिंग में किया गया दावा पूरी तरह से भ्रामक और झूठ पर आधारित है।

****

भवान् प्रति सद्बोधनं मात्र मम् दायित्वमस्ति, भवतः च सम्यक् विचारोपरान्त सन्मार्गे आचरन् इति। यथेच्छसि तथाकुरु।

धन्यवाद।

दिनांक - १८/ ०२/ २०२४

- **संपर्क सूत्र : email : islamdharmkisattyata@yahoo.com**

- **https://www.youtube.com/channel/UCeyCLxXCrIUETXDW11J1f5Q**

ISAM DHARM KI SATTYATA